श्रीगुरुदेवदत्त ॥

मीरंछेनअष्टक

२ श्रीगुरु यन्माहा श्रीगुरुनी
रं जे णा पनमाहा आस्थानं
नंमानं नचेनाद बीदु ॥ रुपंन
रे मानच धातनेने चेद्रा आधे
कवन्हीउद यौन आस्तु तेमेआ
विंडीतन्मोदेवनीरजेनाये ॥ १

वीरुभोमनमुलं नचेबीज
रुडमे शाखान पत्रंनचेप
लपलवं गंधनपुष्फफुलं
नध्या ॥ तस्यै आखवडीत
नमोद वनी जेनाये ॥ २ ॥
श्वतंन पीतं रक्तन हारीतं
हेनंन रुपंन च बमै वनेनां ॥

२

थ्टे तेन भुक्तावा ॥ द्रौपैनद्र
हात स्मै आखं डीतनमो
देवनीजेनाये ॥ ३ ॥ वेद
नेत्रा स्त्र संध्यान सूत्रं ॥
मंत्रन जेपन चध्यानधे
यं होमंनजगंन च देवपूजा

तस्मै आखंडीतनमो दे ॥
वनीजेनायं ॥ ४ ॥ मंत्री
रथी वनं नीवीन सून्ये
संशारस्वारं न च पापपु
ने मुक्तान मुक्तीन चभा
वं वलीनं तस्मै आखंडी

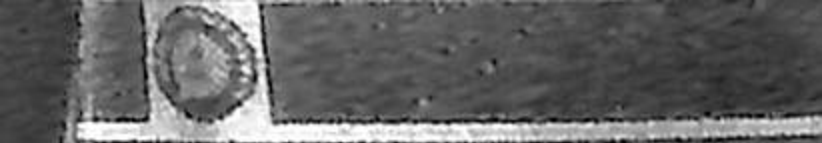

भागीय रेल्वे व्यवस्थापक (सिग्नल
पतींच्या वतीने आणि साठी खाल
चना क्र. : एस अँड टी/०९/२०१
भागावर व्हर्टेक्स बनावट ५ वॅट
र्च : ₹१,७४,९००.०० ₹ एक
सुरा मूल्य : (अ) व्यक्तिगत : ₹
आरएम (एस अँड टी) भुसावळ
र्यालयाचा पत्ता : डीआरएम का

३ तनमोदेवनीर्जयं पं॥८
आर्धनर्धसीवनंसंती
नारीनपुरुसेनचलींग
मुर्ती॥ब्रह्मानवीष्णुन॥
चदेवरुद्रतस्मैआखं

डीतनमोदेवनीर्जनायं॥६
ब्रह्माडखंडंनचयेदृदंं
कालोपाजीवगुरुबीसी
रै॥गगन्चेमुतारानचमे
घमालातस्मैआखंडीत

१ नमोदेवनी जैये रक्षु ॥८ ४
शागरेनपंकेनरेछेत्रं ॥
व्यातीनकुलेन चभेद
५ भैदै भीन्न भीन्नेनौप्र
थकेप्रथको ॥ छं ६७ ॥७

६ तामेमे आसंडीतंमोदे ॥ ५
यनी जोमाये ॥ ईतीश्री
नीर्जन आएकं स्मोसफसं
पुर्नेमसुकेंमंमैतु ॥
देवदतनमोन्माहार्ष..

श्री गुरुदेव दत्त प्र
सन्न ॥ अथ ग्रंथ
धनीर संभ ॥ संनेशाची

ॐ प्रथं धनीगुरु नं स मे
सा चीदैवता ॥ वीजनं पीनी

श्री
नीजीनं भालं छे सड
ग्र संन ॥ सीव सन्यास धा
री ॥ औं संधे योग सन्यास
प्रथ मनारायेन ॥ मां सं ।
नारायनकैसीसे ॥ ब्रसा ॥ १

ब्रह्मा के सीसे म चीजं
दन कैं सीं सैं म चीनंद
नं के सी सो भुर चैडीलु
रचैंडी के सी से मारकंडी ३

मारकंडी केजी स्याम म ॥
कसी भक मैं सी के सी से ॥
थो मक सो थो मक सी के २
सी स्प वी मलक सी लेवी ६
८ मंलक सी के सी सृगुकद
ता ने गुलद ता नं ये के सीस

पागासैर॥९॥पसामैर
केसीसैभागराजे॥१०॥
भरद्वाजेसीस्यठगमुनी
११॥ठगमुनीकेसीसपाडेतम
मुनी॥१२॥डेतमनसीकेसी
सेजनकजीदेख्या॥जनक११

जीहोंजीदेहीकेसीस्यामु
कदेव॥१४॥सुकदेवकेसी
सेव्यतनसी॥१५॥व्यतन
केसीसैकेतनसी॥१६॥के
तनसीकेसीसैदुरवासन
सी॥१७॥दुरवासाकेसीसै

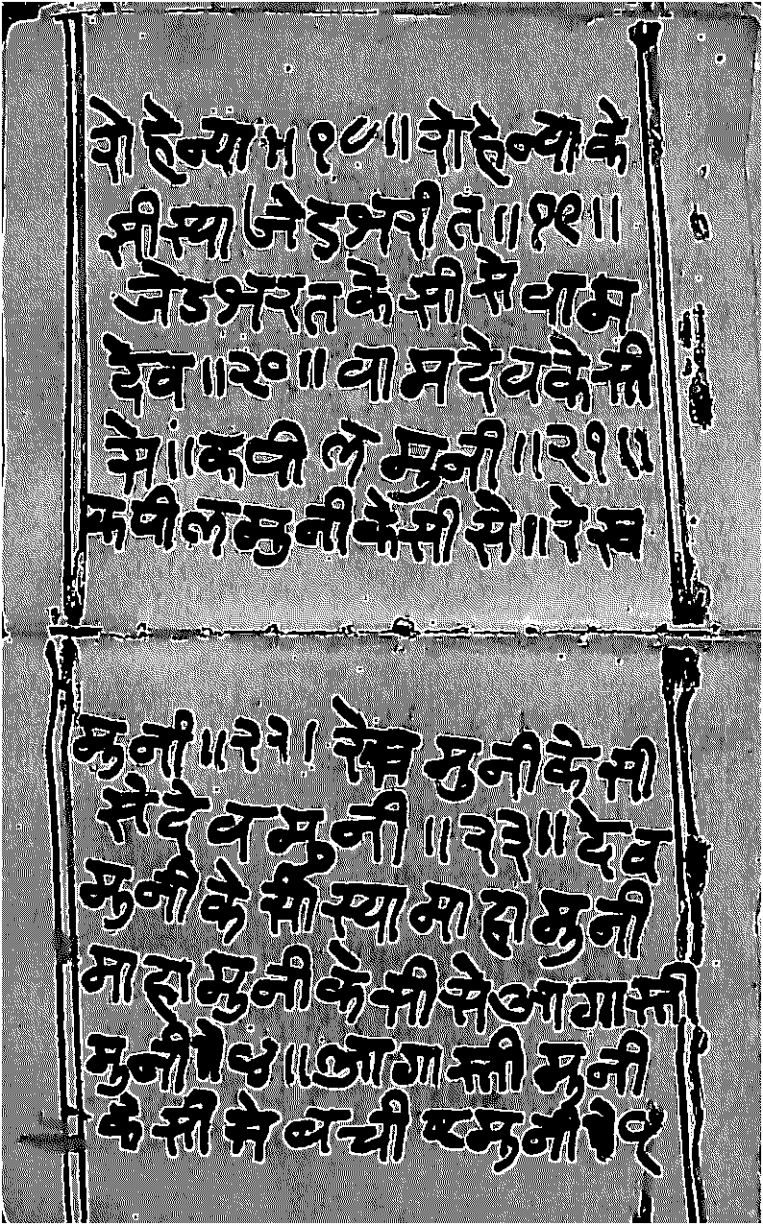

से है स्याम ॥१८॥ से है स्याम के
सीस जेडभगी त ॥१९॥
जेडभरत केसी से राम
देव ॥२०॥ वामदेव केसी
से ॥ कवी जे मुनी ॥२१॥
सपील मुनी केसी से ॥ देव

मुनी ॥२२॥ देव मुनी केसी
से है व मुनी ॥२३॥ देव
मुनी केसी स्यामल मुनी
माहा मुनी केसी से आगासी
मुनी ॥२४॥ आगासी मुनी
केसी से वची समुनी ॥१

ਰਦਿ ਚਰੀਅਸ੍ਮੀ ਕੇ ਸੀਸ
ਸੇਧਾ ਚ੍ਯਾਯੇ ॥੨੭॥ ਸੇਧਾਚ੍ਯ
ਯੈ ਕੇ ਸੀ ਸੇ ਕਾਮਦੇਵ ਚ੍ਯੈ
੨੮॥ ਕਾਮਦੇਵ ਚ੍ਯੈ ਕੇ ਸੀ ਸੇ
ਸਿਕੁਧ ਚ੍ਯੈ ॥੨੯॥ ਸਕੁਧ
ਚ੍ਯੈ ਕੇ ਸੀ ਸ੍ਯੇ ਗਧਡਾ ਚ੍ਯੈ ॥੩੦

ਗਧਡ ਚਾਯੈ ਕੇ ਸੀ ਸੇ ਧਾ
ਲਗੋਵੀਦੇ ਚਾਯੈ ॥੩੧॥ ਧਾਲ
ਗੋਵੀਦਾ ਚ੍ਯਾਯੈ ਕੇ ਸੀ ਸੇ ਸ੍ਰੀ
ਮਤ ਸਕਰਾ ਚ੍ਯਾਯੈ ॥੩੨॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤ ਸੰਕਰਾ ਚ੍ਯਾਯੈ ਕੇ ਸੀ
ਸੇ ਚੋ ਟਾਰੀ ਧਥੰਸ੍ਯਤਨ ਧਾ

ध्या यें ॥१॥ द्वितीय ध्या
ध्यायें ॥२॥ त्रितीय मा
तेउक्त ध्या पें चैसीसे री
ती यें नाम यशो ती ॥१॥ कृष्ण
प्रयत ॥२॥ राम संगर ॥३
हेती नमी से नगनोहकार्थ

पीचे ॥ त्रंधानाध्या यी चे
सीभैचीती या ॥ प्रसानंद
सरस्वती ॥१॥ हासामल
भारती ॥२॥ नीयानंदकृ
॥ हेती नमी सेउ धाराध्या
यचे ॥ ६ती दमनाम तोवि

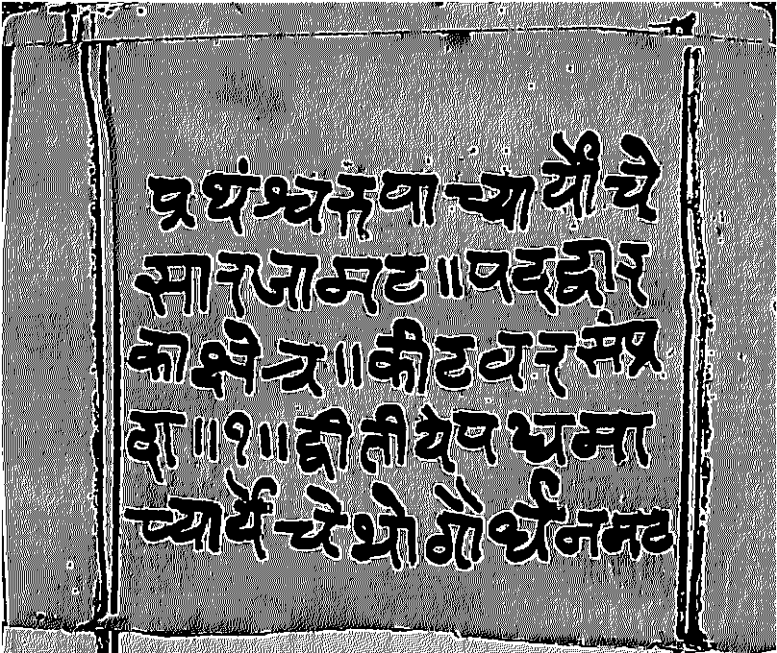

धथंभनकाच्यायौदे
साहजसट॥पदहोर
काशेच॥कीटवरसंग
त॥१॥द्वितीयेपधमा
च्यार्यैचेथोगौथेनसट

पदमपहुरंभेच॥भो
गवानसंग्रह॥२॥हेहु
समसटजानीजे॥ठंकी
तीयेवसच्यानी॥नराने
टकाच्यावैसाचे॥

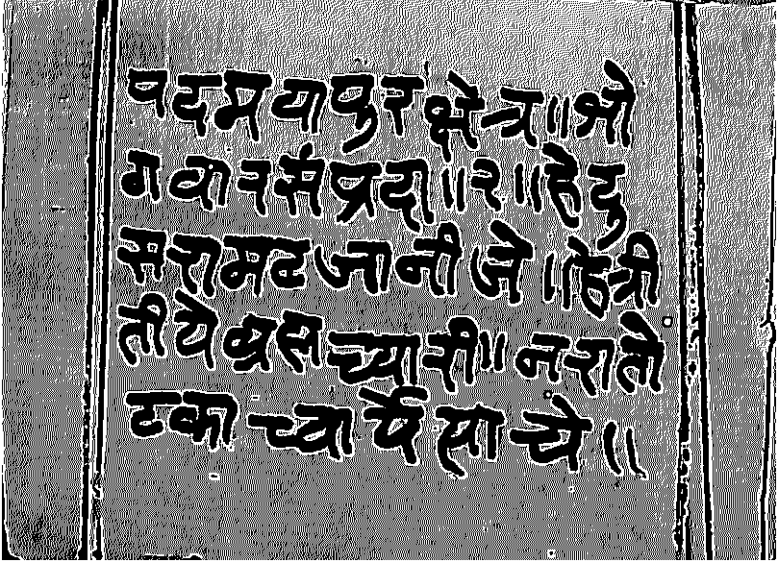

जोसीमठ ॥ बद्रीरका
क्षेत्रं पदबद्रीकाआ
स्त्र क्षेत्र ॥ आनंदवा
रसंप्रदा ॥ हेतीसराम
ठ जानीजे ॥ [illegible]

उधराचै साचैचे
तुंर्थ सीगेरीमट ॥ भु
रवारसंप्रदा ॥ प्रकास
ब्र्ल च्यारी ॥ हे चेतु
र्थ मठ जानीजे । दत्त